सांध्य दैनिक 4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 349 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 27 जनवरी, 2025

यह मनुष्य का स्वभाव है कि जब वह दूसरों के दोष देखकर हंसता है, तब उसे अपने दोष याद नहीं आते जिनका न आदि है न अंत।

-कबीर दास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

वेस्टइंडीज ने 34 साल बाद जीता पाकिस्तान... 7 | दक्षिण भारत से प्रभावित हो रहा... 3 | कुंभ याद आए, तो सौहार्द, सद्भावना... 2

दिल्ली विस चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने जारी किया घोषणा पत्र

केजरीवाल की 15 पक्की वाली गारंटी दिलाएंगी 'आप' को जीत!

» सीएम आतिशी और मनीष सिसोदिया रहे मौजूद

» बीजेपी-कांग्रेस पर तगड़ा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के बाद आज आम आदमी पार्टी ने भी अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया। इस बार के घोषणा पत्र में आप पार्टी ने दिल्ली वालों को 15 गारंटी दी हैं। घोषणा पत्र को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जारी किया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री आतिशी, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह मौजूद रहे।

आम आदमी पार्टी का घोषणापत्र दिल्लीवासियों के लिए कई सकारात्मक बदलावों का वादा करता है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्ययोजनाओं के साथ अमली जामा पहनाने का वादा किया गया है। आम आदमी पार्टी ने इससे पहले के चुनाव में किये गये वायदों को धरतल पर उतारने का काम किया है। इसलिए दिल्ली वाले आप के चुनावी मैनिफेस्टों का बेसब्री से इंतजार भी कर रहे थे।

अगले 5 साल में पूरी की जाएंगी गारंटी : केजरीवाल

घोषणा पत्र जारी करते हुए पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा, कांग्रेस या दूसरी पार्टियां चुनाव में जो भी घोषणाएं करती हैं वो चुनावी जुमले होते हैं। हमने गारंटी शब्द इस्तेमाल करना शुरू किया तो इन्होंने भी गारंटी शब्द इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। गारंटी शब्द को भी इन्होंने बर्बाद कर दिया। अब ये केजरीवाल की पक्की वाली गारंटी है। उनके जैसे कच्ची वाली गारंटी नहीं है। आगे कहा कि आज हम 15 केजरीवाल की गारंटियां जारी कर रहे हैं जो अगले 5 साल में पूरी की जाएगी। इसमें पहली गारंटी रोजगार की है। दूसरी गारंटी हर महिला को 2100 रुपए प्रतिमाह की महिला सम्मान योजना और तीसरी इलाज के लिए संजीवनी योजना और चौथी गारंटी के तहत हम पानी के बिल का सही भुगतान सुनिश्चित करेंगे।

यह हैं 15 पक्की वाली गारंटियां

पहली गारंटी- पहली गारंटी रोजगार की है।

दूसरी गारंटी- हर महिला को 2100 रुपए प्रतिमाह की महिला सम्मान देना।

तीसरी गारंटी- इलाज के लिए संजीवनी योजना।

चौथी गारंटी- दिल्ली वालों के पानी के बिल का सही भुगतान सुनिश्चित होगा।

पांचवी गारंटी- दिल्ली के सभी घरों में सातों दिन 24 घंटे साफ पीने का पानी मिलेगा।

छटी गांरटी- यमुना नदी की स्वच्छता का वादा।

सातवीं गारंटी- यूरोप की तर्ज पर दिल्ली की सड़कों का निमार्ण

आठवीं गारंटी- डॉ. अंबेडकर छात्रवृत्ति दी जाएगी।

नवीं गारंटी- सभी छात्रों को मुफ्त बस यात्रा, मेट्रो किराए में 50 फीसदी की छूट।

दसवी गारंटी- सभी पुजारियों और ग्रंथियों को 18,000 रुपये प्रति माह।

ग्याहरवीं गारंटी- किराएदारों को भी मिलेगा मुफ्त पानी और बिजली।

बहारवी गारंटी- सभी बंद और पुरानी सीवेज लाइनों को बदला जाएगा।

तेहरवी गारंटी- दिल्ली सरकार नए राशन कार्ड बनवाने का विकल्प खोलेगी।

चौहदवी गांरटी- 14. ऑटोवालों और ई-रिक्शा चालकों की बेटियों की शादी के लिए आर्थिक मदद मिलेगी। बच्चों को मुफ्त कोचिंग मिलेगी। चालकों के लिए 10 लाख रुपये का जीवन बीमा और 5 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा होगा।

पन्द्रवी गारंटी- स्वतंत्र सुरक्षा गार्डों की नियुक्ति और रखरखाव के लिए आरडब्ल्यूए को विशेष फंड दिया जाएगा।

संबित पात्रा ने किया पलटवार

आप के घोषणा पत्र पर भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पलटवार किया है। संबित पात्रा ने कहा है कि आप का घोषणापत्र जारी कर दिया गया है। यह घोषणापत्र उनका दलित विरोधी चेहरा और बाबा साहेब अंबेडकर विरोधी चेहरा उजागर करता है। मैं अरविंद केजरीवाल को चुनौती देता हूं कि वे आज पार्टी का घोषणापत्र जारी करने से पहले पंजाब जाएं और डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर जी की मूर्ति के सामने माफी मांगे।

बीजेपी नेता प्रवेश वर्मा ने कहा- हम कोई मुफ्त सेवा बंद नहीं करेंगे

बीजेपी नेता प्रवेश वर्मा ने आप के घोषणा पत्र जारी होने के बाद कहा है कि यदि दिल्ली में बीजेपी की सरकार बनती है तो कोई भी फ्री वाली योजना बंद नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जब भाजपा सत्ता में आएगी तो 200 यूनिट बिजली मुफ्त होगी। उसके बाद के यूनिट का बिल लिया जाएगा। सभी को उनके घरों में 20,000 लीटर तक मुफ्त पानी दिया जाएगा और वो भी साफ। महिलाओं को मुफ्त बस सेवा मिलेगी। सार्वजनिक परिवहन पर 20,000 करोड़ रुपये खर्च करके 15,000 नई बसें खरीदी जाएंगी। हम कोई मुफ्त सेवा बंद नहीं करेंगे, बल्कि गरीबों और जरूरतमंदों के लिए और अधिक मुफ्त सेवाएं शुरू करेंगे।

कांग्रेस ने बताया हवा-हवाई

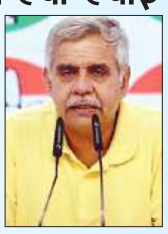

कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के घोषणा पत्र को हवा-हवाई बताया है। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित के मुताबिक केजरीवाल के यह वादे सिर्फ चुनावी हथकंडे हैं और उनको लागू करना असंभव होगा। पार्टी ने ये भी कहा कि केजरीवाल के घोषणापत्र में जो वादे किए गए हैं, वो पूरी तरह से हवा-हवाई हैं और इसमें दिल्ली के लोगों के लिए कोई ठोस समाधान नहीं है। कांग्रेस ने केजरीवाल पर जनता को गुमराह करने का भी आरोप लगाया है। कांग्रेस का यह भी कहना है कि यदि दिल्ली सरकार में कांग्रेस आई, तो वे असल में उन वादों को लागू करने का काम करेंगे जो जनता के लिए वाजिब और सही होंगे।

आप जैसा है भाजपा का घोषणा पत्र!

ग्रेटर कैलाश विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि बीजेपी का यह कहना कि आप का घोषणा पत्र बीजेपी जैसा है यह हमारी जीत है। दरअसल पिछले 10 सालों से बीजेपी हमारा और घोषणा पत्र का विरोध कर रही है। और अब कह रही है कि उनके जैसा ही हमारा घोषणा पत्र है। उन्होंने कहा कि आप ने हमेशा दिल्ली के आम लोगों के लिए काम किया है। घोषणापत्र हमेशा लोगों की बुनियादी जरूरतों पर आधारित होता है। हमारी पार्टी के घोषणापत्र में लोगों की आवाज देख सकते हैं। 10 साल पहले पार्टी के घोषणापत्र का भाजपा ने 10 साल तक विरोध किया। आज भाजपा कहती है कि उनका घोषणापत्र अरविंद केजरीवाल के घोषणापत्र जैसा ही है। यह एक बहुत बड़ी जीत है।

महाकुंभ को बीजेपी सरकार ने बना दिया स्पोर्ट्स इवेंट : अखिलेश यादव

» पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पहुंचे प्रयागराज

» संगम में लगाई डुबकी, भंडारे में बनाई सब्जी और पिता मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाई। सपा मुखिया अखिलेश यादव रविवार को एयरपोर्ट से सीधे मेला क्षेत्र पहुंचे। यहां संगम तट पर पहुंचकर स्नान किया। इस दौरान उन्होंने सेक्टर-19 में अदाणी और इस्कॉन के सहयोग से चल रहे भंडारे में भी शामिल हुए। यहां उन्होंने सब्जी बनाई।

अखिलेश ने भंडारे में भोजन भी किया। साथ ही अपने पिता और दिवंगत नेता मुलायम सिंह यादव की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया। सपा मुखिया अखिलेश यादव के साथ सपा नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

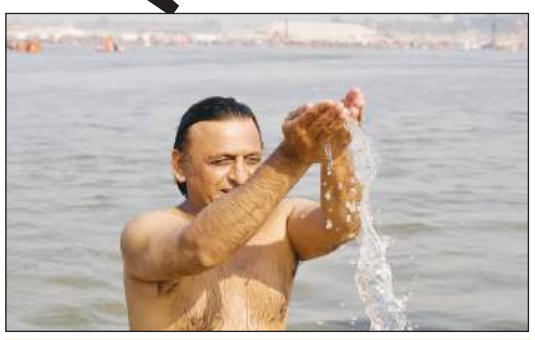

गंगा में स्नान करते समय अखिलेश यादव को चारों तरफ से सपा नेताओं ने घेर लिया था। इस दौरान अखिलेश यादव ने गंगा में स्नान करते समय सूर्य को अर्घ्य भी दिया। संगम में डुबकी लगाने के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं आज महाकुंभ में स्नान करके जा रहा हूं। मैंने 11 डुबकियां लगाई हैं। आज महाकुंभ का सकारात्मक संदेश होना चाहिए। आज के दिन यही संकल्प हो जब कभी भी हमें कुंभ याद आए, तो सौहार्द, सद्भावना और सहनशीलता हमेशा बनी रहे। मैंने पहले हरिद्वार में स्नान किया था और आज मुझे संगम में स्नान करने का मौका मिला है।

सूर्य को अर्घ्य भी दिया

हमारा संकल्प यही सद्भावना और सहनशीलता बनी रहे

इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी सीएम योगी के बुलडोजर वाले एक्शन पर कहा कि बुलडोजर चले या नहीं चले, जब सरकार ही नहीं होगी तो बुलडोजर किसके पास होगा।उ न्होंने आगे कहा कि हमारा संकल्प यही है कि सद्भावना और सहनशीलता बनी रहे और स्नान सहनशीलता के साथ होना चाहिए। सरकार को महाकुंभ को स्पोर्ट्स इवेंट नहीं बनाना चाहिए। मैंने खुद अपनी आंखों से देखा है कि बुजुर्ग महिलाएं और पुरुष दूर स्थानों से पैदल चलकर महाकुंभ में आ रहे हैं लेकिन अगर सरकार महाकुंभ में हजारों करोड़ रुपए खर्च कर रही है तो बुजुर्गों के लिए कोई ऐसी व्यवस्था जरूर होनी चाहिए थी जिससे उन्हें ज्यादा पैदल नहीं चलना पड़े।

महाभंडारे में बनाई सब्जी

इस्कॉन शिविर और अदाणी ग्रुप की ओर से मेला मेला क्षेत्र में आयोजित हो रहे महाभंडारे में अखिलेश यादव पहुंचे जहां उन्हें दाल, सोयाबीन और आलू की सब्जी, रोटी, पूड़ी और हलवा परोसा गया। उन्होंने खुद भंडारे में भोजन किया। महाप्रसाद सेवा 26 फरवरी तक दी जा रही

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से की मुलाकात

अखिलेश ने इसकी तस्वीरें भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। इस मौके पर उन्होंने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से भी मुलाकात की। इस दौरान सपा मुखिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लिखा कि महाकुंभ की पुण्य-यात्रा महाकुंभ 144 साल में एक बार आता है, वो भी संगम के किनारे ही, मतलब जीवन में एक बार और वो भी नदियों के मिलन स्थल पर। इसीलिए इससे ये संकल्प लेना चाहिए कि हमें जो जीवन मिला है, वो अलग-अलग दिशाओं से आती हुई धाराओं के मिलन से ही अपना सही अर्थ और मायने पा सकता है।

गुजरात में आपस में ही भिड़ गये कांग्रेसी

कांग्रेस के भीतर चल रही गुटबाजी की वजह से हुई झड़प

» साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कांग्रेस कार्यालय में जबरदस्त मारपीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कांग्रेस कार्यालय में जबरदस्त मारपीट हो गई। पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं के बीच झड़प शुरू हो गई। एक समूह ने बड़ी भीड़ के रूप में हमला किया और देखते ही देखते दोनों गुट आमने-सामने भिड़ गए।

झड़प कांग्रेस के भीतर चल रही गुटबाजी की वजह से हुई। गुटबाजी का मुद्दा पार्टी के पूर्व और वर्तमान अध्यक्ष के बीच के मतभेदों से जुड़ा हुआ था, जो इस घटना का मुख्य कारण बना। दोनों गुटों के बीच शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे बढ़ते हुए हिंसक झड़प में बदल गया। हिम्मतनगर के व्यस्त बाजार इलाके में यह घटना हुई, जिससे आसपास के लोग घबरा गए और भगदड़ मच गई। झड़प की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में करने के लिए भारी बल तैनात किया। पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी ने दोनों गुटों को शांत कराने के प्रयास किए, लेकिन गुस्साए कार्यकर्ताओं के बीच स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिखाई दी। इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग भागने लगे। घटना स्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। फिलहाल मामला पार्टी के ही दो गुटों के आपस में भिड़ने का है, जिसकी वजह से इतनी अफरा-तफरी मच गई।

विधायक और पूर्व विधायक के बीच चलीं गोलियां

देवभूमि पर तकरार! चैंपियन की ललकार! सामने आओ उमेश कुमार...

» उमेश कुमार और प्रणव सिंह चैंपियन में गाली-गालौज के बाद तंमचों के वार, उत्तराखंड में यह कैसी सरकार?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में सोशल मीडिया पर जुबानी जंग, गाली-गलौच के बाद हिंसा का तांडव देखने को मिला। पूर्व विधायक प्रणव सिंह चैंपियन और निवर्तमान विधायक उमेश कुमार के बीच तमंचों और दूसरे असलाहों से गोलियां चलाये जाने की खबरें हैं। रुड़की शहर की पहचान पूरे विश्व में एक एजूकेशन सिटी के तौर पर होती है।

सोचिए उसी रूड़की में जब लोकतंत्र के दो सेवक पब्लिक डोमेन में एक दूसरे को गालियां दे, और गोलियां चालाएं तो कैसा लगेगा? रूड़की में इन दिनो खौफनाक माहौल बन गया। हरिद्वार जिले के खानपुर से निर्दलीय विधायक उमेश कुमार के कार्यालय पर भाजपा के पूर्व विधायक प्रणव सिंह चैंपियन ने अपने समर्थकों के साथ हमला बोल दिया। हालांकि उमेश कुमार अपने कार्यालय पर मौजूद नहीं थे।

विधायक के आरोप

उमेश कुमार ने आरोप लगाया कि शहर के बीचो-बीच बाहर से बदमाश लाकर, उत्तर प्रदेश के लोग लाकर गोलीबारी कराई गई है, जानलेवा हमला किया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस को सारी जानकारी दी गई है और पुलिस कार्रवाई करेगी। विधायक उमेश कुमार के मुताबिक निकाय चुनाव में औंधे मुंह हारने के बाद उनके सरकारी आवास पर भाजपा के पूर्व विधायक प्रणव सिंह चैंपियन ने हथियारबंद बदमाशों के साथ कई सौ राउंड गोलियां चलाई।

पूर्व विधायक ने कहा

पूर्व विधायक प्रणव सिंह चैंपियन ने कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है। वह इसके खिलाफ लड़ेंगे। कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन पूर्व में खानपुर से विधायक रह चुके हैं। पिछला चुनाव उमेश कुमार जीते थे। तभी से दोनो के बीच राजनीतिक दुश्मनी चल रही है। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

क्या कहती है पुलिस?

हरिद्वार एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने बताया कि पूर्व विधायक प्रणव सिंह चैंपियन द्वारा वर्तमान विधायक उमेश शर्मा के कैंप कार्यालय में फायरिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। जब पुलिस के संज्ञान में यह मामला आया तो तत्काल प्रभारी निरीक्षक रुड़की द्वारा इसमें अभियोग पंजीकृत किया गया। जितने भी लोग इसमें सम्मिलित है उन पर सबसे सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक और वर्तमान विधायक दोनों एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। दोनों के मामले को पुलिस ने संज्ञान में लिया है। हम यह जांच कर रहे हैं कि प्रयोग में लाए गए हथियार अगर लाइसेंसी हैं तो क्या ये पब्लिक डोमेन में उपयोग में लाया गया है, इसको संज्ञान में लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाबा साहेब की प्रतिमा तोड़े जाने से बहन जी नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अमृतसर में बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा खंडित करने को लेकर पंजाब की आप सरकार पर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि सरकारी लापरवाही से ऐसी घटना हुई है। इसमें असामाजिक तत्वों के खिलाफ तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई हो।

बसपा मुखिया मायावती ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की पंजाब के अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के पास हेरिटेज स्ट्रीट में स्थापित प्रतिमा खंडित करने व वहां संविधान की किताब के नजदीक आग लगाने का प्रयास शर्मनाक है। सरकारी लापरवाही से हुई ऐसी घटना की जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। उन्होंने आगे लिखा कि पंजाब में आप पार्टी की सरकार इस दुखद व अप्रिय घटना को अति-गंभीरता से लेकर ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई करें। ताकि भविष्य में ऐसी दुखद व तनाव पैदा करने वाली घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

दक्षिण भारत से प्रभावित हो रहा उत्तर भारत!

आंध्र व कर्नाटक में भाजपा पर बढ़े राजनीतिक वार

दक्षिणी राज्यों में उठे सियासी सुर उत्तर में भी गूंजे

लोकसभा चुनाव में डीएमके के बयानों पर यूपी व एमपी में भी हुआ था घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण भारत की राजनीति कभी-कभी तो बहुत शांति से चलती रहती है पर समय-समय पर उथलपुथल ऐसी उठती रहती है कि उसकी आवाज पूरे भारत में सुनाई देती हैं। जैसा कि लोक सभा चुनाव में डीएमके नेताओं का सनातन पर दिये गये बयान की गूंज पूरे देश में सुनाई दी जिस पर भाजपा ने खूब हंगामा किया था।

वैसे ही आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू के तिरुपति के प्रसादम में मिलावट की बात भी जंगल की आग की तरह फैली और पूरे देश में बवाल मच गया। इसी तरह समय-समय वहां के नेताओं के बयान सियासी गलियारों में घमासान मचाते रहते हैं। ताजा खबर आंध्र के पूर्व सीएम जगमोहन रेड्डी के करीबी के इस्तीफे से संबंधित है जिसकी चर्चा दक्षिण में ही उत्तर भारत में हुई हालांकि उन्होंने किसी भी पार्टी शामिल न होने की बात कहकर इस चर्चे को विराम लगा दिया। वंही कर्नाटक में बीजेपी द्वारा वहां के सीएम सिद्धरमैया के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन की चर्चा भी हिंदी भाषी राज्यों में गाहे-बगाहे होती रहती है।

अमित शाह के आंध्र दौरे का कांग्रेस ने किया विरोध

आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) प्रमुख वाईएस शर्मिला रेड्डी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राज्य के दौरे का कड़ा विरोध किया और उन पर बीआर अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें राज्य का दौरा करने का कोई अधिकार नहीं है। रेड्डी ने कहा कि पार्टी राज्यसभा में बीआर अंबेडकर के बारे में उनकी विवादास्पद टिप्पणी की निंदा करते हुए राज्य भर में अंबेडकर की मूर्तियों के पास बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करेगी। शर्मिला रेड्डी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि डॉ. बीआर अंबेडकर का अपमान करने वाले अमित शाह को आंध्र प्रदेश में पैर रखने का कोई अधिकार नहीं है। आंध्र प्रदेश कांग्रेस पार्टी ने अमित शाह के राज्य दौरे का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में हम पार्टी नेतृत्व से अंबेडकर की प्रतिमाओं पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का आह्वान कर रहे हैं। हम मांग करते हैं कि अमित शाह तुरंत देश की जनता से सार्वजनिक माफी मांगें। उन्हें भी अविलंब अपने मंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने लिखा कि भारतीय संविधान के निर्माता का अपमान करना देश के खिलाफ देशद्रोह करने के बराबर है। विधानसभा के भरे सत्र में अंबेडकर का मजाक उड़ाकर अमित शाह ने खुद को देश का गद्दार साबित कर दिया है। इसके अलावा, बीजेपी के सहयोगी टीडीपी और जनसेना पार्टी की आलोचना करते हुए रेड्डी ने कहा कि जो लोग अमित शाह से माफी मांगने के बजाय उनकी यात्रा का स्वागत कर रहे हैं, वे भी देश को धोखा दे रहे हैं। रेड्डी ने कहा कि जो लोग ऐसी देशद्रोही टिप्पणियों की निंदा नहीं करते या माफी की मांग नहीं करते, बल्कि आतिथ्य सत्कार करते हैं, वे भी देश के साथ विश्वासघात कर रहे हैं। जो राजनीतिक दल ऐसे व्यक्तियों के साथ मंच साझा करते हैं या इस मुद्दे पर चुप रहते हैं, वे भी देश से गद्दारी के उतने ही दोषी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने टीडीपी, जन सेना सहित अपने गठबंधन सहयोगियों से अमित शाह से सार्वजनिक माफी की मांग करने का आह्वान किया। यदि आप वास्तव में राज्य में दलित, बहुजन, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों का सम्मान करते हैं, तो हमारे साथ खड़े हों और अमित शाह से माफी मांगने पर जोर दें।

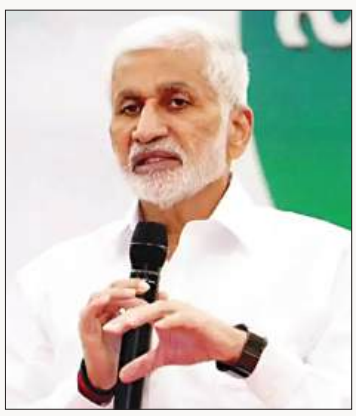

राजनीति छोड़ रहा, अब किसानी करूंगा: विजयसाई रेड्डी

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा झटका देते हुए, पार्टी के राज्यसभा सांसद वी विजयसाई रेड्डी ने इस्तीफा दे दिया है। विजयसाई रेड्डी उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के आवास पर पहुंचे थे। रेड्डी ने कल घोषणा की थी कि वह आज राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देंगे क्योंकि वह राजनीति से संन्यास ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं किसी राजनीतिक दल में शामिल नहीं हो रहा हूं। मेरा इस्तीफा किसी पद/स्थिति, लाभ या मौद्रिक लाभ प्राप्त करने के लिए नहीं है। ये फैसला पूरी तरह से निजी है। मुझ पर कोई दबाव, ज़बरदस्ती या अनुचित प्रभाव नहीं है। उन्होंने वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी और वाईएस भरतम्मा को दो कार्यकाल के लिए राज्यसभा सांसद के रूप में नामित करने और वाईएस परिवार की तीन पीढ़ियों तक उनकी सेवाओं का सम्मान करने के लिए धन्यवाद दिया। एक पत्र में उन्होंने लिखा कि वाईएसआरसीपी संसदीय दल के नेता और राज्यसभा में पार्टी के फ्लोर लीडर के रूप में, मैंने केंद्र और राज्य सरकार के बीच संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करके राज्य के हितों की रक्षा के लिए समर्पण के साथ काम किया है। मुझ पर भरोसा करने और मुझे पहचान देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मेरा विशेष धन्यवाद। उन्होंने कहा कि हालांकि वह राजनीतिक रूप से तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के विरोधी थे, लेकिन उनका एपी के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के परिवार के साथ कोई मतभेद नहीं था और वह एपी के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के अच्छे दोस्त रहे हैं। उन्होंने कहा, ऽमेरी लंबी राजनीतिक यात्रा के दौरान मेरा समर्थन करने के लिए मैं अपने राज्य के लोगों, दोस्तों, सहकर्मियों और पार्टी कार्यकर्ताओं, उनमें से हर एक का नाम लेकर उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि उनका भविष्य कृषि है।

पवन कल्याण की जन सेना पार्टी मान्यता प्राप्त दल की लिस्ट में शामिल

चुनाव आयोग ने आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की जन सेना पार्टी को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल का दर्जा दिया। पार्टी ने यह घोषणा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की। पार्टी के पास अब पार्टी का स्थायी आधिकारिक चुनाव चिन्ह ऽकांच का गिलास है, जिसे ईसीआई द्वारा आरक्षित किया गया है। जन सेना पार्टी ने खुलासा किया कि मान्यता के बारे में संचार मंगलवार को एक पत्र के माध्यम से किया गया था। पार्टी ने एक्स पर लिखा कि जन सेना एक मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय राजनीतिक दल के रूप में उभरी। चुनाव आयोग ने कांच के चुनाव चिन्ह को जन सेना पार्टी के स्थायी चिन्ह के रूप में मान्यता देने के आदेश जारी किए हैं, जिसने पिछले चुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल कर इतिहास रचा था। इसमें कहा गया है कि एक दशक से अधिक समय तक पवन कल्याण के संघर्ष की परिणति जन सेना पार्टी को एक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के रूप में स्वीकार किए जाने में हुई। जन सेना पार्टी के लिए यह पहली बार है। अब तक, यह केवल आंध्र प्रदेश में एक राजनीतिक दल के रूप में पंजीकृत था। अब मार्च 2014 में अपनी स्थापना के 10 साल बाद इसे राज्य राजनीतिक दल के रूप में मान्यता मिल गई है। जन सेना ने हाल के चुनावों में 100 प्रतिशत सफलता हासिल करके यह मान्यता हासिल की- लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनाव। इसने राज्य के सभी 21 निर्वाचन क्षेत्रों और जिन दो लोकसभा क्षेत्रों पर चुनाव लड़ा, उनमें जीत हासिल की।

ईडी के कदम के बाद सिद्धरमैया के खिलाफ भाजपा के अभियान में असंतोष की आवाजें उठीं

कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कांग्रेस सरकार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के लिए तैयार होने के प्रयासों के बीच पार्टी में असंतोष के स्वर उभरे। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एमयूडीए साइट आवंटन घोटाले में कार्रवाई है, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उनकी पत्नी पार्वती बी एम आरोपियों में शामिल हैं। भाजपा के दो असंतुष्ट विधायकों बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और रमेश जरकीहोलीने प्रदेश पार्टी प्रमुख बी वाई विजयेंद्र पर निशाना साधते हुए उनकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाया।बेलगावी जिले के गोकक तालुक के अंकलगावी गांव में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान जरकीहोली ने कहा, ''लोग भाजपा में कलह की बात करते हैं, लेकिन हमारे बीच कोई आंतरिक लड़ाई नहीं है। हमारी लड़ाई केवल (प्रदेश) पार्टी अध्यक्ष के खिलाफ है।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसने सिद्धरमैया एवं अन्य के खिलाफ दर्ज मामले के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएल) 2002 के प्रावधानों के तहत 142 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है, जिनका बाजार मूल्य करीब 300 करोड़ रुपये है। ईडी ने कहा कि कुर्क की गई संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

दिन पर दिन गिर रहा रुपया अब तो चेतो मेरे सरकार!

पिछले कुछ सालों से भारतीय रुपये का अवमूल्यन हो रहा है। वर्तमान में ये इतना नीचे गिर गया कि विपक्ष ने एनडीए सरकार पर इसकी अनदेखी का अरोप भी लगा दिया। साथ ये सुझाव भी दिया कि सरकार इस ओर ध्यान दे नहीं तो देश को बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। लोग तो अब कहने लगे अब तो चेतो सरकार। एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपया 86.62 रुपए तक के रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है, बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में यह 87 रुपए अथवा 90 रुपए के स्तर को भी पार कर जाय। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की गिरावट के लिए वैश्विक स्तर पर कई कारक जिम्मेदार है परंतु मुख्य रूप से अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लगातार मजबूत होने के संकेत मिल रहे हैं, जैसे, रोजगार हेतु नई नौकरियों की तो जैसे बहार ही आई हुई है। भारत में विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं क्योंकि उन्हें अमेरिका में ब्याज दरों के अ'छे स्तर को देखते हुए अपने निवेश पर अधिक आय की सम्भावना दिखाई दे रही है।

जनवरी 2025 माह में दिसम्बर 2024 माह के जारी किए के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका में अधिक नई नौकरियां पैदा हुई हैं जबकि अनुमान कुछ और था, अमेरिका में बढ़ी हुई ब्याज दर के चलते अमेरिकी डॉलर इंडेक्स एवं अमेरिकी ट्रेजरी बिल पर यील्ड भी मजबूत बनी हुई है इससे अमेरिकी डॉलर लगातार और अधिक मजबूत हो रहा है एवं पूरे विश्व से डॉलर अमेरिका की ओर आकर्षित हो रहा है जबकि इसके विरुद्ध अन्य देशों की मुद्राओं पर स्पष्टत- दबाव दिखाई दे रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद बहुत सम्भव है कि अमेरिका में आयात किए जाने वाले कई उत्पादों पर आयात कर की दर बढ़ा दी जाय क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार के दौरान बार बार इसका जिक्र किया गया है। यदि ऐसे निर्णय अमेरिका में लागू किए जाते हैं तो इससे अमेरिका में मुद्रा स्फीति फैलेगी और यदि ऐसा होता दिखाई देता है तो यू एस फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कमी के स्थान पर वृद्धि की घोषणा भी कर सकता है। इससे अमेरिकी डॉलर में और अधिक मजबूती आएगी और अन्य देशों की मुद्राओं का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक अवमूल्यन होने लगेगा। अब भारत को भी विभिन्न क्षेत्रों में अपने आप को आत्म निर्भर बनाना होगा ताकि अन्य देशों से विभिन्न उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम की जा सके। आज भारत में विभिन्न वस्तुओं का भारी मात्रा में आयात हो रहा है, विशेष रूप कच्चे तेल एवं स्वर्ण जैसे पदार्थों का। जबकि, भारत से वस्तुओं के निर्यात की वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम है जिससे चालू खाता घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है और अंतत: इससे अमेरिकी डॉलर की मांग हमारे देश में बढ़ रही है और रुपए पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अब सरकार को चेतना होगा।

“ एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपया 86.62 रुपए तक के रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है, बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में यह 87 रुपए अथवा 90 रुपए के स्तर को भी पार कर जाय। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की गिरावट के लिए वैश्विक स्तर पर कई कारक जिम्मेदार है परंतु मुख्य रूप से अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लगातार मजबूत होने के संकेत मिल रहे हैं, जैसे, रोजगार हेतु नई नौकरियों की तो जैसे बहार ही आई हुई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जागरूकता के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी

डॉ. सुधीर कुमार

लोकतंत्र का आधार मतदान है और युवा इस आधार को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस दिन का उद्देश्य नागरिकों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना और मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करना है। हमारे देश में युवा आबादी काफी बड़ी है। ऐसे में युवाओं को मतदान के महत्व के बारे में जागरूक करना अत्यंत जरूरी है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस युवाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह उन्हें लोकतंत्र में भागीदार बनने, समाज में सक्रिय भूमिका निभाने और देश के विकास में योगदान देने का मौका देता है। इस वर्ष के राष्ट्रीय मतदाता दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि यह लोकतंत्र के 75 वर्ष पूरे होने के वर्ष में मनाया जा रहा है। भारत में यह दिन हर साल 25 जनवरी को मनाया जाता है, जो भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना का दिवस भी है। 25 जनवरी, 2025 को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय मतदाता दिवस देश के हर नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।

लोकतंत्र की सफलता का आधार स्वतंत्र, निष्पक्ष और सक्रिय मतदान है। जब अधिक से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तभी एक सच्चा लोकतंत्र फल-फूल सकता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मतदान के महत्व, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया, दिव्यांगजन सहित सभी वर्गों के लिए मतदान की सुविधाओं आदि के बारे में जानकारी दी जाती है। इस दिन युवाओं को विशेष रूप से संबोधित किया जाता है और उन्हें मतदान के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है। मतदान एक कानूनी अधिकार है, और यह हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। भारत में, मतदान से संबंधित सभी गतिविधियों को चुनाव आयोग द्वारा नियंत्रित किया जाता है। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है जो निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार है। भारत में 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त होता है।

सभी योग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज होते हैं। मतदान एक गुप्त प्रक्रिया है। कोई भी यह नहीं जान सकता कि आपने किस उम्मीदवार को वोट दिया है। शिक्षक छात्रों को लोकतंत्र के मूल्यों, मतदान का महत्व बताने के साथ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बना सकते हैं। शिक्षक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में वाद-विवाद, निबंध लेखन प्रतियोगिताएं, नाटक, पोस्टर प्रदर्शन आदि आयोजित कर सकते हैं। छात्रों के बीच मॉक पोल का आयोजन कर उन्हें वास्तविक मतदान प्रक्रिया से परिचित कराया जा सकता है। विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जा सकता है, जिसमें छात्रों को मतदान के महत्व और चुनौतियों के बारे में जानकारी दी जाए। शिक्षक चुनाव आयोग के साथ मिलकर छात्रों को मतदाता पहचान पत्र बनवाने में मदद कर सकते हैं। इससे छात्र अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग करेंगे और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में योगदान देंगे। युवाओं को यह समझाना होगा कि लोकतंत्र एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें हर नागरिक के पास अपनी सरकार चुनने का अधिकार होता है। मतदान इसी अधिकार का प्रयोग करने का एक तरीका है। युवाओं को यह बताना चाहिए कि वे अपने मतदान के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। वे ऐसे नेताओं को चुन सकते हैं जो उनके मुद्दों को समझें और उनके लिए काम करें। उन्हें ऐसे नेताओं को चुनना चाहिए जो देश के विकास के लिए प्रतिबद्ध हों। युवाओं को यह समझाना होगा कि मतदान एक जिम्मेदारी भी है। उन्हें अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना चाहिए और मतदान करके इसे निभाना चाहिए। अंत में, हमें यह भी याद रखना चाहिए कि मतदान केवल चुनाव के दिन तक सीमित नहीं है। हमें अपने प्रतिनिधियों के काम पर नजर रखनी चाहिए और उन्हें उनके वादों को पूरा करने के लिए जवाबदेह ठहराना चाहिए। राष्ट्रीय मतदाता दिवस हमें एक महत्वपूर्ण संदेश देता है कि लोकतंत्र की मजबूती हमारे हाथों में है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस युवाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह उन्हें लोकतंत्र में भागीदार बनने, समाज में सक्रिय भूमिस्का निभाने और देश के विकास में योगदान देने का मौका देता है। इस वर्ष के राष्ट्रीय मतदाता दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि यह लोकतंत्र के 75 वर्ष पूरे होने के वर्ष में मनाया जा रहा है।

रूस-चीन संबंधों की नई इबारत लिखते ट्रंप

जी. पार्थसारथी

वर्ष 2024 के अंत में अपनी सालाना पत्रकार वार्ता में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की 'मैं कहूंगा कि स्थिति नाटकीय रूप से बदल रही है'। उन्होंने आगे कहा -'हर दिन समूचे अग्रिम मोर्चे पर हलचल हो रही है'। पुतिन के बारे में माना जाता है कि वे अपने शब्दों का चयन बहुत सावधानी से करते हैं। अब यह स्पष्ट है कि यह केवल कुछ वक्त की बात है जब रूस यूक्रेन को शेष बचे रूसी क्षेत्र से खदेड़ कर, अपने इलाकाई उद्देश्यों की प्राप्ति कर लेगा, जिस पर जल्द से जल्द पुन: नियंत्रण बनाने को अब वह बेताब है। यह दक्षिण तटों सहित वह इलाका है जिस पर रूस का नियंत्रण ऐतिहासिक रूप से रहा था। अब ऐसा लग रहा है कि यूक्रेन को उस क्षेत्र से बेदखल होना पड़ेगा, जिस पर लड़ाई शुरू होने से पहले उसका नियंत्रण था। फिलहाल, रूस वह इलाका दुबारा पाने की कोशिश में लगा है, जो युद्ध शुरू होने के बाद हाथ से निकल गया था।

साथ ही, इसमें कोई संदेह नहीं है कि यहां मामला युवा और अनुभवहीन यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की का भी है, जिन्हें बाइडेन प्रशासन और उसके नाटो सहयोगियों ने अपने दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र पर नियंत्रण बढ़ाने के लिए उकसाया था। अब यह स्पष्ट है कि बाइडेन प्रशासन के विपरीत, ट्रम्प की सरकार पुतिन के सैनिकों से निबटने के लिए यूक्रेन के सैन्य अभियानों में उनका साथ नहीं देने वाली। इस सारी प्रक्रिया में, ऐसा लगता है कि अमेरिका यह भूल गया कि रूसियों का एक मुख्य उद्देश्य ऐतिहासिक रूप से 'गर्म पानी' वाले तटों पर अपना नियंत्रण और निर्बाध पहुंच बनाए रखना है। साफ है जो बाइडेन ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि रूस के लिए वे अपने पूर्व में मौजूद इलाके कितने महत्वपूर्ण हैं, जिनपर कभी उसका नियंत्रण रहा था और जिससे होकर समुद्र तक उसकी पहुंच साल भर बनी रहती है, विशेषकर वर्तमान में यूक्रेन के तटों वाला।

ट्रम्प के आगमन के साथ देखा जा रहा सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह होगा कि इन मुद्दों को हल करने के लिए एक गंभीर प्रयास चल निकलेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो पाए कि समुद्र तक रूस की पहुंच पूर्णत: सुरक्षित रह सके। इसके अलावा, ऐसे संकेत हैं कि पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में भी इलाका कब्जाने में रूसी सावधानीपूर्वक लगे हुए हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रम्प रूस के क्षेत्रीय दावों पर यूरोपीय मुल्कों की चिंताओं से जानबूझकर अनजान बने प्रतीत होते हैं। उन्होंने पुतिन के क्षेत्रीय दावों का जिक्र इस प्रकार किया है -'क्या दिमाग है। पुतिन यूक्रेन के एक बड़े हिस्से को आजाद घोषित कर रहे हैं। यह अद्भुत है'! यह हैरानी जनक है क्योंकि कोई यह उम्मीद नहीं कर सकता था कि अमेरिका इस प्रकार से रूस के क्षेत्रीय दावों का समर्थन करेगा! राष्ट्रपति ट्रम्प के राज में अमेरिका-चीन संबंधों के बारे में, ऐसे वक्त पर जब भारत चीन के साथ अपनी सीमाओं पर तनाव को खत्म करने के प्रयास करने में लगा है, चीन के साथ ट्रम्प के संबंधों में कोई गंभीर सफलता मिलने की संभावना कम ही है। ट्रम्प ने चीन की नीतियों के साथ अपने मतभेद व्यक्त करने में कभी संकोच नहीं किया है। इसकी पुष्टि सीनेटर मार्को रुबियो को अपना विदेश मंत्री और सांसद माइक वाल्ट्ज को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त करने से होती है।

रुबियो और वाल्ट्ज, दोनों को, वाशिंगटन में 'कट्टर चीन विरोधी' के रूप में जाना जाता है। चीन ने साल 2020 में रुबियो को अपने यहां प्रवेश देने से दो बार रोका था। किसी को हैरानी हो सकती है कि क्या यह प्रतिबंध आगे भी लागू रहेगा। ट्रम्प द्वारा इन दोनों की नियुक्ति का चीन जरा भी स्वागत नहीं करेगा। फिर भी, ट्रम्प के एक अन्य सहयोगी, अरबोंपति एलन मस्क के चीन में बड़े वाणिज्यिक हित हैं, जिनका मूल्य अरबों डॉलर में है। ट्रम्प स्पष्ट रूप से चीनियों को लेकर अपने इरादों के बारे में अनिश्चितता से भरे हुए हैं। ब्यानबाजी के बावजूद, यह भी साफ है कि ट्रंप चीन के साथ अपने विकल्प खुले रखेंगे। हाल-फिलहाल राष्ट्रपति ट्रंप को चीन को उसकी जगह पर रखने के लिए, भारत को संतुलन के तौर पर इस्तेमाल करना चाहेंगे। बदले में भारत को अभी भी अमेरिका की जरूरत है। उच्च तकनीक, रक्षा उत्पादन और अंतरिक्ष से लेकर सुरक्षा आदान-प्रदान और आर्थिक सहयोग के अन्य क्षेत्रों में सहयोग की। यह ऐसे वक्त में हो रहा है जब अमेरिका में बसे उच्च शिक्षित भारतीयों की आबादी बढ़ रही है, जोकि वर्तमान में लगभग 51 लाख है।

हालांकि, अमेरिका-चीन संबंध कठिन दौर से गुजर रहे हैं, जो दोनों शक्तियों के नेताओं के बीच काफी आपसी अविश्वास और नापसंदगी से पैदा हुआ है। विश्वास और सहयोग की बहाली में समय लगेगा, खासकर जब ट्रम्प के ब्यानबाजी के लहजे ने 'मध्य साम्राज्य' (कभी चीनी खुद को धरती का धुरा मानते थे) के लोगों को चौंका दिया होगा। लेकिन, चीनियों के साथ मतभेदों को दूर करने के लिए ट्रंप के पास एलन मस्क के साथ उनके बढ़िया रिश्ते का उपयोग करने वाला पत्ता सदा हाथ में रहेगा,क्योंकि 'मध्य साम्राज्य' के साथ मस्क के संबंध काफी प्रगाढ़ और निहित स्वार्थ से जुड़े हैं। पहले से ही, ऐसी अटकलें हैं कि चीन अमेरिका में टिकटॉक के कारोबार का मस्क द्वारा अधिग्रहण किए जाने को मंजूरी देने की सोच रहा है। जो भारतीय मस्क के साथ सौदा करने का अवसर ढूंढ़ रहे हैं, उन्हें यह ध्यान में रखना चाहिए। एक और महत्वपूर्ण कारक जिसे किसी को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए, वह यह है कि ट्रम्प के राष्ट्रपति पुतिन के साथ संबंध बहुत बढ़िया हैं और दुनिया भर के देश इसे स्पष्ट रूप से समझते हैं।

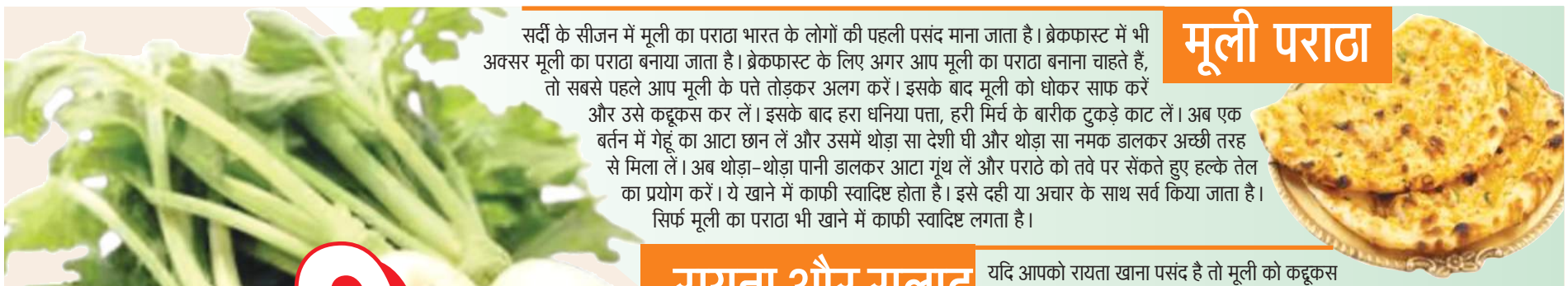

मूली से बने पकवानों का सर्दियों में लें मजा

सर्दी के मौसम में मूली से अलग-अलग तरह की चीजें बनाई जाती हैं। मूली को सुपरफूड माना जाता है। इसमें पानी की अच्छी मात्रा होती है, यही वजह है कि सर्दियों में दादी-नानी इसे खाने की सलाह देती हैं। मूली को सलाद के तौर पर तो खाया ही जाता है, साथ ही इसके पराठे और मूली और उसके पत्तों की भुजिया बनाकर खाना पसंद करते हैं। सर्दियों के मौसम में बाजार में सब्जियों की भरमार लग जाती है। गाजर, मटर, पालक, गोभी और मूली जैसी सब्जियां इस मौसम में बेहद कम दामों में बिकती हैं। बाकी सब सब्जियों से पकवान बनाने के बारे में किसी को ज्यादा सोचना नहीं पड़ता, लेकिन जब बारी आती है मूली की तो हर कोई इस सोच में पड़ जाता है कि वो इससे खाने में क्या बनाएं? तो आप मूली से कई पकवान बना सकते हैं, जो खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं। इन पकवानों के सेवन से आप सर्दियों के मजे को दोगुना कर सकते हैं।

मूली पराठा

सर्दी के सीजन में मूली का पराठा भारत के लोगों की पहली पसंद माना जाता है। ब्रेकफास्ट में भी अक्सर मूली का पराठा बनाया जाता है। ब्रेकफास्ट के लिए अगर आप मूली का पराठा बनाना चाहते हैं, तो सबसे पहले आप मूली के पत्ते तोड़कर अलग करें। इसके बाद मूली को धोकर साफ करें और उसे कद्दूकस कर लें। इसके बाद हरा धनिया पत्ता, हरी मिर्च के बारीक टुकड़े काट लें। अब एक बर्तन में गेहूं का आटा छान लें और उसमें थोड़ा सा देशी घी और थोड़ा सा नमक डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर आटा गूंथ लें और पराठे को तवे पर सेंकते हुए हल्के तेल का प्रयोग करें। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। इसे दही या अचार के साथ सर्व किया जाता है। सिर्फ मूली का पराठा भी खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है।

रायता और सलाद

यदि आपको रायता खाना पसंद है तो मूली को कद्दूकस करके दही और मसालों के साथ मिक्स करें। इसे भरवां पराठे के साथ परोसा जाता है। भरवां पराठे के साथ ये रायता काफी बढ़िया लगता है। अगर आप कुछ अलग खाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए मूली का सलाद सेब और सौंफ के साथ एक बेहतर नाश्ते के रूप में शामिल हो सकता है। क्योंकि सौंफ को मूली के सलाद में शामिल कर देने से एक अलग प्रकार के स्वाद का अनुभव किया जा सकता है। क्योंकि यह कुरकुरा, थोड़ा मीठा और बिल्कुल हल्का और ताज़ा होता है।

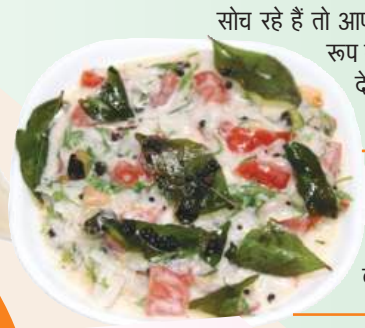

मूली का सूप

मूली को उबालकर, मसालों के साथ सूप बनाया जाता है। यह एक हेल्दी और हल्का विकल्प होता है। यदि आपको ज्यादा सर्दी लगती है तो आप मूली का सूप बनाकर सर्दी को दूर भगा सकते हैं।

मूली के पकोड़े

सर्दियों के मौसम में पकोड़े खाना हर किसी को पसंद होता है। इसके लिए मूली को कद्दूकस करके बेसन और मसालों में मिलाकर तला जाता है। ये कुरकुरे पकोड़े खाने में स्वादिष्ट होते हैं। इसे आप हरी चटनी और केचअप के साथ परोस सकते हैं। और मूली के पराठे का आनंद ले सकते है।

मूली का चाट

मूली की चाट बेहद स्वादिष्ट होती है। इसको बनाने के लिए ताजा मूली, काला नमक, नींबू का रस, भुना हुआ जीरा पाउडर और चाट मसाला का प्रयोग करते हैं। सबसे पहले मूली को अच्छी तरह धोले। उसके बाद मूली को छील लें और उसे लम्बे टुकड़ों में काटना चाहिए। अब इस पर काला नमक, चाट मसाला, भुना जीरा पाउडर और नींबू का रस डालकर मिक्स कर लें।

मूली की भाजी और भुर्जी

मूली को छोटे टुकड़ों में काटकर पत्तों के साथ मिक्स करके मसालों के साथ भाजी बनाई जाती है। इसे सूखी सब्जी के तौर पर परोसा जाता है। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। सर्दी के मौसम में मूली की भुर्जी बड़े चाव से खाई जाती है। इसकी सब्जी खाने में काफी स्वादिष्ट रहती है और इसे आप मात्र 20 से 25 मिनट के अंदर तैयार कर सकते हैं। इसके बनाने की विधि के बारे में बात करें तो इसको सरसों के तेल में बनाया जाता है। जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। इसके बाद इसमें हींग, जीरे आदि का तड़का लगाया जाता है। अपनी पसंद के अनुसार आप इसमें लहसुन का भी छौंका लगा सकते हैं।

हंसना मना है

संता- इतनी देर से तुम क्या सोच रहे हो? बंता- जानते हो कल रात की आंधी में एक टी शर्ट मेरे घर आकर गिर गई। संता- तो इसमें क्या हुआ? बंता- सोच रहा हूं कि मैचिंग पैंट ले लूं या फिर एक और आंधी का इंतजार करूं।

एक मुर्गी ने एक बाज से शादी कर ली, तो एक मुर्गा बोला- हम मर गये थे क्या? मुर्गी बोली- मैं तो तुमसे ही शादी करना चाहती थी, लेकिन मां-बाबूजी चाहते थे कि मेरा पति एयरफोर्स में हो।

मां- बेटा क्या कर रहे हो? बेटा- पढ़ रहा हूं मां.. मां- शाबाश! क्या पढ़ रहे हो? बेटा- आपकी होने वाली बहु के एसएमएस, दे थप्पड़, दे थप्पड़!

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से- तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके- अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए!

लड़की वाले लड़का देखने गए, लड़की वाले- कितना कमा लेते हो? लड़का- इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले- फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गया, और सारी कमाई चली गयी।

कहानी | शिक्षा पर विचार

स्वामी विवेकानंद जी का आदर्शों से भरा जीवन हम सभी को प्रेरणा देता है। उनके उच्च विचार न केवल हमारे जीवन में नई ऊर्जा का संचार करते हैं साथ ही हमारा मार्गदर्शन भी करते हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए हमें उनके शिक्षा संबंधी विचार बहुत याद आते हैं। स्वामी जी मानते थे कि सही शिक्षा के अभाव के कारण ही हमारा देश अभी तक पूर्ण विकसित नहीं हो पाया है। स्वामीजी चाहते थे कि शिक्षा प्रणाली ऐसी हो जो युवाओं के चरित्र का निर्माण करे, उनको जीवन संघर्ष के लिए तैयार करे। उनका मानना था कि सिर्फ किताबें पढ़ना शिक्षा नहीं है, बल्कि उनसे ज्ञान प्राप्त करना और उस ज्ञान का प्रयोग जीवन में करना वास्तविक शिक्षा है। स्वामी जी के मत अनुसार वर्तमान शिक्षा प्रणाली से सिर्फ मजदूर तैयार हो रहें हैं, जबकि वे चाहते थे कि शिक्षा ऐसी हो जिससे बच्चे आत्मनिर्भर बने और कमाई के साधन स्वयं तैयार करें। स्वामी जी युवओं में अनंत साहस और शक्ति का संचार करना चाहते थे। उनका मानना था कि बेहतर समाज के निर्माण के लिए युवाओं का सही मार्गदर्शन जरूरी है। इसीलिए उन्होंने शिक्षा को बहुत महत्व दिया। उनका मत था कि हर बालक में कुछ न कुछ संभावनाएं अवश्य होती हैं, जरूरत है तो बस उसे पहचानने की और विकसित करने की। जिससे एक निडर, साहसी और आत्मनिर्भर चरित्रवान युवा का निर्माण हो सके। ऐसे में जब देश का युवा शक्तिशाली और बलवान होगा तो अपने आप ही विकासशील और आत्मनिर्भर देश का निर्माण होगा। इसीलिए स्वामी जी का मानना था कि वास्तविक शिक्षा वो है जो व्यक्ति की क्षमताओं को अभिव्यक्त कर उसे कामयाब बनाती है।

कहानी से सीख: तो इस प्रकार स्वामी जी के शिक्षा सम्बंधी विचार ने हमें बताया कि हमारा असल ज्ञान वो है जो हमें जीवन में सफल और स्वतंत्र बनाए, न कि वो जो हमें गुलामी की ओर ले जाए। ये वास्तविक ज्ञान हम में ही मौजूद होता है। बस उसे पहचान कर विकसित करने की जरूरत है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज बाहरी चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। फालतू धन खर्च अधिक होगा। आपको कुसंगति से बचना होगा। स्वयं चोट व रोग से बचें। घर में किसी से विवाद न करें।

वृषभ

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टलेंगे।

मिथुन

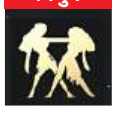

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है।

कर्क

राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। स्त्री सुख, यात्रा में हानि, दुख।

सिंह

चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे।

कन्या

कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे।

तुला

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी।

वृश्चिक

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे। कुछ नुकसान होगा।

धनु

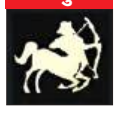

दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा।

मकर

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना। अंतरप्रेरणा से कार्य करें।

कुम्भ

भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत होंगे। कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे।

मीन

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बंधेगी। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

देश की असली तस्वीर नहीं पेश कर रहा भारतीय सिनेमा : शाह

नसीरुद्दीन शाह ने एक बार फिर अपने बयान से विवाद खड़ा कर दिया है। इस बार उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों को निशाना बनाया है। अभिनेता ने कहा है कि बॉलीवुड फिल्में भारत की सही तस्वीर पेश नहीं कर रही हैं। नसीरुद्दीन शाह का मानना है कि सिनेमा का सबसे महत्वपूर्ण कार्य अपने समय का रिकॉर्ड रखना है, लेकिन चिंता की बात यह है कि अगर भविष्य की पीढ़ियां आज के भारत को समझने के लिए बॉलीवुड फिल्मों को देखेंगी तो उन्हें बड़ी निराशा होगी। निशांत, आक्रोश, स्पर्श और मासूम जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए मशहूर रहे नसीरुद्दीन शाह ने केरल साहित्य महोत्सव (केएलएफ) में कहा, मुझे लगता है कि मौजूदा फिल्में भारत का सही चित्र नहीं पेश कर रही हैं। गंभीर सिनेमा का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य दुनिया में बदलाव लाना नहीं है। मुझे नहीं लगता कि एक फिल्म देखने के बाद किसी की सोच बदल जाती है, चाहे वह कितनी भी शानदार क्यों न हो। हां, इससे आपको कुछ सवाल उठाने में मदद मिल सकती है। नसीरुद्दीन ने अभिनेत्री पार्वती थिरुवोथु के साथ बातचीत में कहा, अगर 100 साल बाद लोग जानना चाहेंगे कि 2025 का भारत कैसा था और उन्हें कोई बॉलीवुड फिल्म मिल जाए तो मुझे लगता है कि यह एक बड़ी त्रासदी होगी। उन्होंने उन कठिनाइयों के बारे में भी बात की, जिनका सामना फिल्म निर्माताओं को समय की वास्तविकताओं को दर्शातीं फिल्में बनाते समय करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सच्चाई को दिखाने की कोशिश करने वाली फिल्मों को अक्सर प्रतिबंध का सामना करना पड़ता है या दर्शक पाने में संघर्ष करना पड़ता है। इससे पहले भी नसीरुद्दीन शाह कई बार विवादित बयान दे चुके हैं।

अमिताभ के साथ लोगों को सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ायेंगे कालीन भैया

सड़क सुरक्षा अभियान के तीसरे एडिशन में महानायक अमिताभ बच्चन के साथ पंकज त्रिपाठी फिर से नजर आएंगे। ये दोनों कलाकार मिलकर सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों को जागरुक करेंगे, इस अभियान का मकसद लोगों की जान बचाना है। यह अभियान केंद्रीय सड़क सुरक्षा और राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से चलाया जा रहा है। इस अभियान का मकसद सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है।

सड़क सुरक्षा अभियान से जुड़ने पर पंकज त्रिपाठी कहते हैं, 'अमिताभ बच्चन और नितिन गडकरी जी और सड़क सुरक्षा अभियान की पूरी टीम के साथ एक बार फिर हाथ मिलाना सम्मान की बात है। सड़क सुरक्षा एक ऐसा मुद्दा है जो हम सभी को परेशान करता है। मुझे इस पहल का हिस्सा बनने पर गर्व है।'

पंकज त्रिपाठी आगे कहते हैं, 'इस अभियान का मकसद लोगों की, खासकर बच्चों के जीवन की सुरक्षा करना है। मैं सभी नागरिकों से कहना चाहूंगा कि आप सड़क सुरक्षा को अपनाएं, इसी में हमारे देश के भविष्य यानी हमारे बच्चों की सुरक्षा और भलाई छिपी है।

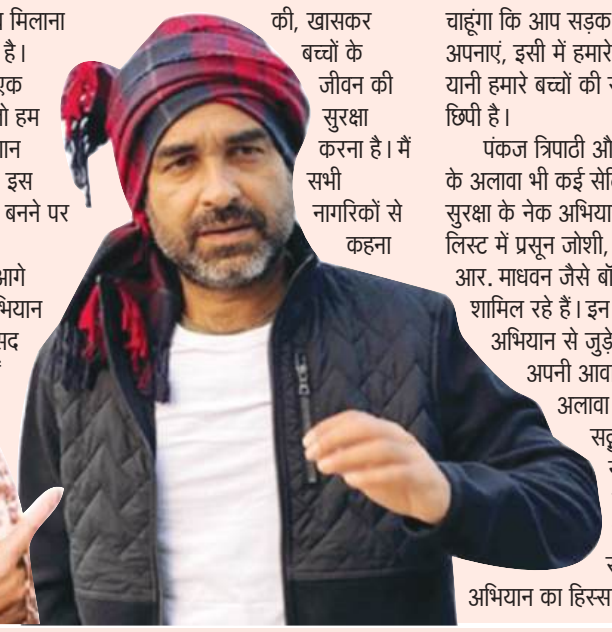

पंकज त्रिपाठी और अमिताभ बच्चन के अलावा भी कई सेलिब्रिटी सड़क सुरक्षा के नेक अभियान से जुड़े हैं। इस लिस्ट में प्रसून जोशी, शंकर महादेवन, आर. माधवन जैसे बॉलीवुड सेलिब्रिटीज शामिल रहे हैं। इन लोगों ने इस अभियान से जुड़े एक वीडियो में अपनी आवाज दी है। इनके अलावा आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु और बिजमैन नारायण मूर्ति की पत्नी और लेखक सुधा मूर्ति भी सड़क सुरक्षा अभियान का हिस्सा बने हैं।

अक्षय कुमार की 'स्काई फोर्स' ने पहले दिन भरी ऊंची उड़ान

अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की 'स्काई फोर्स' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की है। पहले उम्मीद थी कि ये फिल्म 10 करोड़ के आंकड़े से नीचे रहेगी, लेकिन फिल्म के टिकट्स पर स्पेशल डिस्काउंट के कारण इसकी इम्प्रेसिव ओपनिंग हुई। इसी के साथ काफी टाइम बाद अक्षय की फिल्म की अच्छी शुरुआत हुई है। वहीं रिपब्लिक डे पर रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्मों के बीच स्काई फोर्स 7वीं सबसे ज्यादा ओपनिंग करने वाली फिल्म भी बन गई है।

संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर के डायरेक्शन में बनी 'स्काई फोर्स' 1965 के भारत-पाकिस्तान हवाई युद्ध के दौरान भारत के पहली एयर स्ट्राइक पर बेस्ड बॉलीवुड एक्शन ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म को क्रिटिक्स से अच्छा रिव्यू मिला है। वहीं

ऑडियंस ने भी फिल्म की सोशल मीडिया पर काफी तारीफ की है। इस पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ का असर फिल्म के कलेक्शन पर पड़ा और इसने बंपर शुरुआत की है। मैडॉक फिल्म्स ने 'स्काई फोर्स' की ओपनिंग डे के कलेक्शन के आंकड़े शेयर किए हैं।

'स्काई फोर्स' बनीं अक्षय की तीसरी सबसे ज्यादा ओपनिंग करने वाली फिल्म

'स्काई फोर्स' अक्षय कुमार के करियर की तीसरी सबसे ज्यादा ओपनिंग करने वाली फिल्म बन गई है। पि उम्मीद है कि शनिवार और रविवार को फिल्म की कमाई मे तेजी आएगी। अब देखने वाली बात होगी कि क्या ये फिल्म अक्षय कुमार के करियर की गाड़ी को ट्रैक पर ला पाती है या नहीं। चलिए यहां जानते हैं अक्षय की सबसे ज्यादा ओपनिंग करने वाली फिल्में कौन सी हैं।

बॉलीवुड की टॉप 10 रिपब्लिक डे ओपनर्स में स्काई फोर्स को मिली ये पोजिशन

स्काई फोर्स ने सुबह के शो में 10 फीसदी ऑक्यूपेंसी के साथ शुरुआत की और दोपहर के शो में 14 फीसदी तक पहुंच गई। शाम के शो में 23 फीसदी तक का उछाल देखा गया, लेकिन असली बदलाव रात की ऑक्यूपेंसी थी, जो औसतन लगभग 37 फसदी थी। 15 करोड़ से ज्यादा की ओपनिंग करने वाली 'स्काई फोर्स' अब बॉलीवुड की टॉप 10 रिपब्लिक डे ओपनर्स की लिस्ट में सातवीं पोजिशन पर है। 'स्काई फोर्स' की शुरुआत काफी अच्छी हुई है। वहीं अब उम्मीद की जा रही है कि ये फिल्म वीकेंड पर भी अच्छी कमाई कर सकती है। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि शनिवार और रविवार की छुट्टी में 'स्काई फोर्स' कितना कलेक्शन कप पाती है।

अजब-गजब | संविधान निर्माताओं की सैलरी जानकर होगी हैरानी

संविधान सभा के सदस्य को सैलरी के तौर पर एक बैठक के मिलते थे 90 रुपये

पलामू। 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस का अवसर हम बड़े धूमधाम से मनाते हैं। इस बार 76वां गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। पूरा देश एकजुट होकर इस त्योहार को मनाता है। बता दें कि 26 जनवरी 1950 को हमारा संविधान लागू हुआ था। तब से हम इस दिन को बड़े उत्साह से मनाते आ रहे हैं। आज हम आपको संविधान से जुड़ी कुछ नई बातें बताने जा रहे हैं। संविधान को लिखने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन लगे थे। इसमें 284 सदस्यों ने मिलकर योगदान दिया था, जिसमें पलामू के लाल भी शामिल थे। जी हां, पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर स्थित स्वर्गीय यदुवंश सहाय (जनरल, बिहार) इस सभा के सदस्य चुने गए थे। उन्हें सेंट्रल कमिटी ने चुना था और उनका संविधान में बहुमूल्य योगदान था।

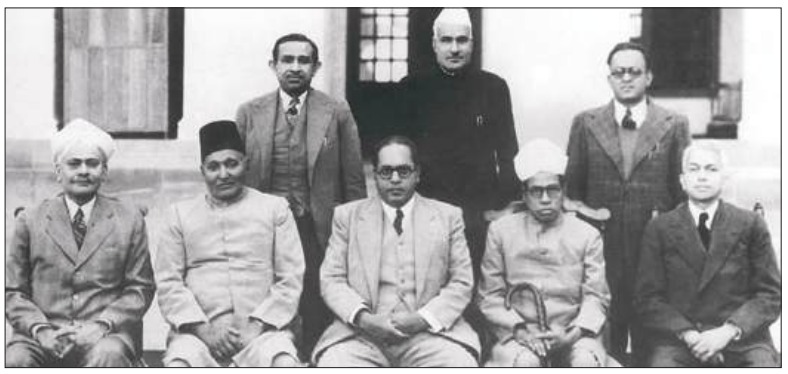

उनके पुत्र बृजनंदन सहाय ने बताया कि उनके पिता एक किसान नेता थे। वे संविधान सभा में ज्यादातर किसानों और उनके हितों की बात उठाते थे, क्योंकि उस समय किसानों की हालत बहुत खराब थी। किसान एक समय का खाना खाते थे और दूसरे समय के लिए उनके पास कुछ नहीं होता था। इसलिए वे किसानों के मुद्दों को जोर-शोर से उठाते थे, जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल बड़े ध्यान से सुनते थे। इसके अलावा, राज खरसांवा को बिहार में मिलाने में भी उनके पिता का योगदान था। इसके लिए बहुत बहस चली कि राज खरसांवा को उड़ीसा में रखा जाएगा, लेकिन अंततः राज खरसांवा को बिहार में मिलाया गया।

उन्होंने कहा कि उनके पिता संविधान निर्माण में बहुमूल्य योगदान दिए। वे आदिवासियों के हक और अधिकार के लिए अनुच्छेद 264क के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। इसके अलावा और भी कई आर्टिकल में उन्होंने अपना योगदान दिया। उन्होंने बताया कि घर में आकर वे चर्चा करते थे कि यह संविधान तुमलोग और भारत के भाग्य का निर्माण कर रहा है। इसी पर पूरा भारत चलेगा और तुमलोग को भी इसी पर चलना होगा। यह कोई सामान्य किताब नहीं, बल्कि एक धर्म ग्रंथ है। उन्होंने बताया कि संविधान सभा में एक बैठक के 90 रुपए मिलते थे, जिससे रहना-खाना सभी तरह का खर्च होता था। जबकि बिहार स्टेट से 10 रुपए मिलते थे, जिससे वे महीना चलाते थे। कभी-कभी वे दिल्ली से आम, संतरा, ड्राई फ्रूट्स और कई तरह के सामान लेकर आते थे, जिसका हमें इंतजार रहता था।

बिल्ली ने खा ली मालिक की नौकरी! बॉस को भेज दिया रेजिग्नेशन लेटर

चीन के चोंगकिंग शहर में एक अनोखी घटना ने सबको हैरान कर दिया। एक 25 वर्षीय महिला, जो नौ बिल्लियों के साथ रहती हैं, को अचानक नौकरी से हाथ धोना पड़ा। वजह थी उनकी खुद की बिल्ली। दरअसल, महिला ने अपनी नौकरी से इस्तीफा देने का मन बनाया था, लेकिन पैसों की जरूरत के चलते वह इस फैसले पर असमंजस में थीं। इसी बीच, जब वह इस मेल को भेजने या न भेजने पर सोच रही थीं, उनकी बिल्ली ने लैपटॉप पर छलांग लगाई और 'एंटर' बटन दबा दिया। नतीजा यह हुआ कि उनका इस्तीफा बॉस के पास पहुंच गया। घबराई महिला ने तुरंत अपने बॉस से संपर्क कर सच्चाई बताने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि यह गलती उनकी बिल्ली की वजह से हुई है और उन्होंने इस्तीफा भेजने का इरादा नहीं किया था। लेकिन बॉस ने उनकी दलील को खारिज कर दिया और इस्तीफा स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही महिला को न सिर्फ अपनी नौकरी गंवानी पड़ी, बल्कि साल के अंत में मिलने वाले बोनस से भी हाथ धोना पड़ा।

नौकरी गंवाने के बाद महिला ने यह अजीबो-गरीब घटना सोशल मीडिया पर साझा की। उनकी कहानी तेजी से वायरल हो गई और लोगों ने इस पर मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने लिखा, 卐आपकी बिल्ली ने शायद आपके बॉस का ही भला किया है, उन्हें बोनस का खर्च बचा दिया।卐

यह पहली बार नहीं है जब पालतू जानवरों ने अनजाने में अपने मालिकों के लिए मुश्किलें खड़ी की हों. अमेरिका में एक कुत्ते ने गलती से 911 नंबर डायल कर दिया, जिससे पुलिस अचानक मालिक के घर पहुंच गई। इसी तरह, ब्रिटेन में एक तोते ने स्मोक अलार्म की आवाज की नकल की, जिससे पड़ोसियों ने दमकल विभाग को बुला लिया। बाद में पता चला कि वह अलार्म असल में तोते की आवाज थी।

गवर्नर ने कानून के राज की बात कर नीतीश सरकार को घेरा

» तेजस्वी यादव लगातार लगा रहे हैं बिहार में जंगलराज का आरोप

» ध्वजारोहण कार्यक्रम में राज्यपाल ने सामाजिक सुधार को बताया जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में 76वां गणतंत्र दिवस रविवार को धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस मौके पर मुख्य समारोह पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित किया गया। यहां राज्य के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने ध्वजारोहण किया और लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून का राज है और इसे बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बिहार सरकार के सुशासन के साथ न्याय और विकास के संकल्प की बात कही। राज्य के सभी वर्गों के विकास के लिए सरकार संकल्पबद्ध है।

राज्यपाल ने कहा कि क्राइम कंट्रोल के लिए पुलिस की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। इसको लेकर पुलिस बल की संख्या में वृद्धि की गई है तथा पुलिस थानों की संख्या बढ़ाई जा रही है। लोगों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इमरजेंसी सेवा डायल की सुविधा शुरू की गई है। अब तक 20 लाख से अधिक लोग आपातकालीन सेवाओं का लाभ उठा चुके हैं। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में सांप्रदायिक एवं सामाजिक सुधार का माहौल कायम है और सांप्रदायिक तनाव की कोई घटना सामने आने पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने प्रदेश के विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि बिहार सरकार द्वारा 2006 से ही कब्रिस्तानों की घेराबंदी की जा रही है, अब तक 8000 से ज्यादा कब्रिस्तानों की घेराबंदी की गई है। उन्होंने कहा कि 2016 से मंदिरों की चहारदीवारी का भी निर्माण हो रहा है।

राज्यपाल ने रोजगार और नौकरी पर भी की बात

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी कोने से राजधानी पटना पहुंचने के लिए छह घंटे के समय के लक्ष्य को पूरा कर लिया गया है, अब पांच घंटे में पटना पहुंचने के लिए बड़े पैमाने पर पुल और सड़कों का निर्माण किया गया है। रोजगार और नौकरी की चर्चा करते हुए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि बिहार में शिक्षकों की बड़े पैमाने पर बहाली हुई, जिसके कारण शिक्षक-छात्र अनुपात राष्ट्रीय औसत के बराबर पहुंच गया है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने 10 लाख नौकरियां देने का वादा किया था, जिसमें से नौ लाख नौकरी दी जा चुकी है। इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा मंत्रिपरिषद के कई सदस्य एवं राज्य के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके पूर्व राज्यपाल ने मैदान में परेड की सलामी ली। इस मौके पर विभिन्न विभागों द्वारा झांकियां भी निकाली गईं।

धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

» सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम, नैतिक मूल्यों और निष्ठा की ली गयी शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर स्थित विभिन्न सरकारी कार्यालयों और विद्यालयों में गणतंत्र दिवस का आयोजन बड़े धूमधाम से हुआ। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी संस्थानों, स्कूलों और धार्मिक संस्थाओं में ध्वजारोहण किया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। थाना दोस्तपुर परिसर में प्रभारी निरीक्षक पंडित त्रिपाठी द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर सभी अधिकारी, कर्मचारी, महिला और पुरुष सिपाही उपस्थित थे। ध्वजारोहण के बाद, प्रभारी निरीक्षक ने संविधान के नैतिक मूल्यों और निष्ठा की शपथ ली। मदरसा दारूल उलूम मदीनतुल अरबिया में प्रधानाध्यापक हाजी मो. सादिक खान और मोहम्मद सईद खान ने ध्वजारोहण किया।

इसके बाद, मुफ़्ती अमजद और मौलाना सैय्यद अली ने तकरीर पेश की। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से माहौल को और भी रंगीन किया। बाद में, बच्चों को मिठाई और इनाम वितरित किए गए। भाग्यवती घनश्याम सरस्वती शिशु मंदिर दोस्तपुर में प्रधानाचार्य अनुराग पांडेय, थाना प्रभारी पंडित त्रिपाठी और अजय सोनी की उपस्थिति में ध्वजारोहण हुआ। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जो दर्शकों का मन मोह लेने में सफल रहे। जिले के सेंट जेवियर स्कूल दोस्तपुर में भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापक अमित कुमार श्रीवास्तव और सर्वेश ने ध्वजारोहण किया, इसके बाद बच्चों ने देशभक्ति से प्रेरित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

प्री बजट सर्वे में 57 प्रतिशत जनता चाहती है टैक्स में कटौती

» क्या वित्तमंत्री पूरी करेंगी आस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बजट से पहले हुए एक सर्वे में जनता ने अपनी मन की बात वित्त मंत्र को बातने की कोशिश की है। आम बजट 2025-26 में 57 प्रतिशत करदाता इनकम टैक्स की दरों में कटौती चाहते हैं। बजट एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किया जाएगा। कंसल्टिंग एवं सर्विस फर्म ग्रांट थॉर्नटन भारत द्वारा किए गए सर्वे के अनुसार 25 प्रतिशत लोग अधिक टैक्स छूट के पक्ष में थे।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, एक बड़ी संख्या में करदाताओं ने नई पर्सनल टैक्स (डिफॉल्ट) रिजीम को अपनाया है। मौजूदा समय में 72 प्रतिशत लोगों ने नई टैक्स रिजीम को चुना है, जबकि 28 प्रतिशत ही लोग पुरानी टैक्स रिजीम में बने हुए हैं। 46 प्रतिशत लोग टैक्स की दरों को कम करने के पक्ष में हैं।

समयसीमा में विस्तार हो

सर्वे में आगे कहा गया कि घरेलू कर के संदर्भ में 56 प्रतिशत लोगों ने छोटे करदाताओं पर टैक्स के बोझ को कम करने के लिए टैक्स रिटर्न दाखिल करने के लिए आय सीमा में वृद्धि की मांग की। लगभग 32 प्रतिशत लोगों ने अपडेटेड टैक्स रिटर्न के मामले में लागू अतिरिक्त टैक्स में कमी की इच्छा जताई और 12 प्रतिशत ने रिवाइज्ड इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने के लिए प्रदान की गई समयसीमा में विस्तार की इच्छा जताई।

'बीजेपी देश का संतुलन बिगाड़ना चाहती है'

» पद्म पुरस्कारों के नामों की घोषणा पर नाना पटोले बोले- धार्मिक द्वेष पैदा कर किया जा रहा संविधान का अपमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष नाना भाउ पटोले ने पद्म पुरस्कारों के नामों की घोषणा के बाद बीजेपी पर तगड़ा हमाला बोला है। नाना पटोले ने आरोप लगाये हैं कि केंद्र सरकार पद्म पुरस्कारों के लिए लोगों के चयन में पक्षपात कर रही है। यह देश का संतुलन बिगाड़ने का कार्य होगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी देश का संतुलन बिगाड़ना चाहती हैं। नाना पटोले के मुताबिक हमारा संविधान सर्वधर्म सद्भाव का है, लेकिन भाजपा के लोगों ने धार्मिक द्वेष पैदा करने और संविधान के अपमान का काम शुरू किया है।

दिल्ली चुनाव के संदर्भ में आम आदमी पार्टी की तरफ से भ्रष्टाचारियों की सूची जारी करने और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी को उस सूची में 11वें नंबर पर रखने को लेकर नाना पटोले ने पलटवार किया। नाना पटोले ने कहा कि केजरीवाल तो दिल्ली को भ्रष्टाचार से मुक्त करने के लिए चले थे लेकिन वह खुद भ्रष्टाचार के मामले में जेल में रहकर आए हैं। गांधी परिवार पर गलत आरोप लगाकर केजरीवाल अपने पाप को छुपा नहीं सकते। केजरीवाल गांधी परिवार को लेकर कुछ बोलें, अभी वह उतने महान नहीं हुए हैं।

आप है बीजेपी की बी टीम

पटोले ने कहा, आम आदमी पार्टी में उनके पास आदमी ही नहीं हैं। केजरीवाल का एजेंडा क्या है, वह किसके लिए काम करते हैं, यह भी हमें पता है। आप भाजपा की 'बी' टीम है। पार्टी का नाम आम आदमी पार्टी है और (अरविंद) केजरीवाल की मानसिकता है कि सिर्फ खुद के लिए जिया जाए। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद गांधी परिवार ने दो-दो शहादत दी हैं। देश की एकजुटता के लिए खुद राहुल गांधी ने कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पैदल यात्रा की। लेकिन केजरीवाल के पास बताने के लिए क्या है?

वेस्टइंडीज ने 34 साल बाद जीता पाक में टेस्ट मैच

» दूसरे और आखिरी मैच में 120 रनों से जीता वेस्टइंडीज

» नहीं काम आई सलमान अली की पारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुल्तान। वेस्टइंडीज ने 34 साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट मैच जीतने का इतिहास रच दिया और इसमें जमेल वॉरिकन ने दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लेकर अहम भूमिका अदा की। इसके साथ ही सोमवार को मुल्तान क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए सीरीज के दूसरे और आखिरी मैच में वेस्टइंडीज ने 120 रन से जीत दर्ज की।

पाकिस्तान ने तीसरे दिन 244 रनों का पीछा करते हुए 76/4 से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन वॉरिकन, सिंक्लेयर और गुडाकेश मोती की घातक गेंदबाजी के सामने 44 ओवरों में 133 रनों पर ढेर हो गई। यह जीत वेस्टइंडीज की पाकिस्तान में 1990 के बाद पहली टेस्ट जीत थी। मोहम्मद रिजवान और सलमान अली आगा ने थोड़ी देर तक टिककर 39 रनों की साझेदारी की, लेकिन वॉरिकन ने एक नीची रहती गेंद से सलमान को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। फिर उन्होंने रिजवान को बोल्ड किया, और मोती ने नोमान अली को मिड-ऑफ पर कैच आउट कराया। इसके बाद वॉरिकन ने वापस आकर साजिद खान को आउट किया और अपनी मशहूर थाई-फाइव सेलिब्रेशन की। उन्होंने इस सीरीज में कुल 19 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया, क्योंकि उनकी गेंदबाजी ने वेस्टइंडीज को यादगार जीत दिलाई। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान के दौरे पर आई थी। पाकिस्तान ने पहला टेस्ट मैच 127 रनों से जीता था।

वॉरिकन रहे मैच के हीरो

वॉरिकन ने चौथी पारी में 5-27 के आंकड़े के साथ मैच खत्म किया और सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। उन्होंने पूरे मैच में 9-70 के शानदार आंकड़े हासिल किए और वेस्टइंडीज ने इस जीत से दो मैचों की सीरीज बराबर कर ली। तीसरे दिन वेस्टइंडीज की जीत की उम्मीदें तब मजबूत हुईं, जब साउद शकील सिंक्लेयर की घूमती गेंद पर पहली स्लिप में कैच दे बैठे। अगले ही ओवर में वॉरिकन ने काशिफ अली को आउट कर पाकिस्तान को बड़ी मुसीबत में डाल दिया।

'जय बापू, जय भीम' नारे के साथ राहुल गांधी का बीजेपी पर तगड़ा हमला

» बाबा साहब की जन्म स्थली महू में कांग्रेस ने दिखायी ताकत

» एक मंच पर इकट्ठा हुए कांग्रेसी, सभी ने कहा- बीजेपी संविधान को खत्म करना चाहती है

4पीएम न्यूज नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के महू में आज कांग्रेसियों का मेला लगा। राहुल गांधी की अगुवाई में बाबा साहब भीम राव अम्बेडर की जन्म स्थली महू में आज रैली का आयोजन किया गया। रैली में पहुंचे। राहुल गांधी ने मंच से बीजेपी और आरएसएस पर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार संविधान को खत्म करने की साजिश रच रही है। अगर संविधान नहीं रहा तो गरीबों, दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के पास कुछ नहीं बचेगा। राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार अडानी-अंबानी को फायदा और गरीबों को नुकसान पहुंचा रही है।

राहुल गांधी ने रैली में आए लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने संविधान खत्म करने की साजिश रची थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि बीजेपी ने दावा किया था कि अगर उन्हें 400 सीटें मिल जाएं तो संविधान बदल देंगे। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें रोक दिया। राहुल ने कहा, संविधान गरीबों का अधिकार है। इसे खत्म करने का मतलब है, गरीबों को उनके अधिकारों से वंचित करना।

कुछ लोगों की सरकार

राहुल गांधी ने कहा कि देश के सभी कॉन्ट्रैक्ट दो-तीन अरबपतियों को दिए जा रहे हैं। अडानी-अंबानी को सारा पैसा और सुविधाएं दी जा रही हैं। राहुल ने कहा, जो जीएसटी आप भरते हैं, वह सीधा अरबपतियों के खाते में जाता है। पेट्रोल-डीजल के दाम घटने के बावजूद भारत में इनके दाम कम नहीं होते। यह सारा पैसा गरीबों की जेब से निकलता है। भारत में चीनी सामान बेचकर अडानी-अंबानी चीनी युवाओं को रोजगार दे रहे हैं। उन्होंने कहा, आप जो जीएसटी चुकाते हैं, उसका फायदा अरबपतियों को होता है और आपके बच्चों को रोजगार नहीं मिलता।

इकट्ठा हुए कांग्रेसी दिग्गज

कांग्रेस ने कहा कि खड़गे के अलावा राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, मध्य प्रदेश के प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी रैली को संबोधित करेंगे। पार्टी ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान उसके नेता और कार्यकर्ता संविधान की रक्षा का संकल्प लेंगे। भोपाल में पत्रकारों से बात करते हुए पटवारी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर संविधान का 'बार-बार अपमान' करने का आरोप लगाया।

बीजेपी बदलना चाहती है संविधान

उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान बदलने के लिए लोकसभा में 400 सीटें चाहती है। पटवारी ने दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और सत्तारूढ़ पार्टी के नेता आरक्षण को चुनौती दे रहे हैं। पटवारी ने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में आंबेडकर का अपमान किया था। उन्होंने कहा ये सभी मुद्दे कांग्रेस के लिए चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान की रक्षा के लिए काम किया है, जिसके लिए पार्टी देश भर में 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान चलाएगी।

बीजेपी का एजेंडा

कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने आयोजित जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली में बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का एजेंडा हमारे संविधान को कमजोर करने का है। बाबा साहेब का जो अपमान हुआ, उसके खिलाफ हमने पहले भी आवाज उठाई थी और आज भी रैली के माध्यम से अपनी आवाज उठाई। उन्होंनं कहा कि चुनाव का समय है और भाजपा का एजेंडा लोगों को यूसीसी जैसे विवाद में उलझा कर डिवाइड करने का है। उसी एजेंडे के तहत वह इस तरह के काम कर रहे हैं।

भारत में क्रेडिट कार्ड के उपयोग में हुआ इजाफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत में क्रेडिट कार्ड के उपयोग में सितंबर तिमाही में 34 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जबकि 2023 की समान अवधि में यह आंकड़ा 26 प्रतिशत पर था। इसकी वजह ग्राहकों द्वारा अपनी खपत की जरूरतों को पूरा करने के लिए मौजूदा क्रेडिट कार्ड से अधिक खर्च करना है। यह जानकारी सोमवार को जारी की गई एक रिपोर्ट में दी गई।

ट्रांसयूनियन सिबिल क्रेडिट मार्केट इंडिकेटर (सीएमआई) रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की रिटेल क्रेडिट ग्रोथ में सितंबर 2024 को समाप्त हुई तिमाही में हल्की नरमी देखने को मिली है। इसकी वजह लोन मांग वृद्धि की दर में सामान्य गिरावट और अधिकांश लोन उत्पादों में क्रेडिट की आपूर्ति में कमी होना है।

ट्रांसयूनियन सिबिल के सीईओ और एमडी, भावेश जैन ने कहा, क्रेडिट कार्ड पर खर्च में मजबूत वृद्धि उपभोक्ताओं के बीच इसकी बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है। यह केवल लेनदेन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि क्रेडिट तक आसान पहुंच को भी दिखाती है। जैन ने आगे कहा कि यह लेंडर्स के लिए एक अवसर हो सकता है कि वे ऐसे उपभोक्ताओं की पहचान करें जिन्हें अपने उपभोग के लिए अतिरिक्त लोन की आवश्यकता है और उन्हें बेहतर और किफायती समाधान उपलब्ध कराएं। रिपोर्ट के अनुसार, पर्सनल लोन में सालाना आधार पर दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई, जो कि सितंबर 2024 में 11 प्रतिशत रही है। यह वृद्धि दर पिछले साल के समान अवधि के आंकड़े 32 प्रतिशत से काफी कम है।

जल्द मिलेगा सेबी को नया चीफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच का कार्यकाल पूरा होने वाला है। सरकार ने उनकी जगह नए चेयरपर्सन के लिए आवेदन मंगाया है। मौजूदा चेयरपर्सन बुच का तीन साल का कार्यकाल 28 फरवरी को खत्म हो रहा है। बुच ने 2 मार्च, 2022 को पदभार संभाला था।

वित्त मंत्रालय के तहत आर्थिक मामलों के विभाग ने एक सार्वजनिक विज्ञापन में 17 फरवरी तक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। मंत्रालय ने कहा, नियुक्ति कार्यभार संभालने की तारीख से अधिकतम 5 साल की अवधि के लिए या नियुक्त व्यक्ति की उम्र 65 साल होने तक, जो भी पहले हो, के लिए की जाएगी। सरकारी विज्ञापन के मुताबिक, सेबी चेयरपर्सन को भारत सरकार के सचिव के बराबर वेतन मिलेगा। यह फिलहाल 5,62,500 रुपये महीना है। इसमें घर और गाड़ी की सुविधा शामिल नहीं है। वित्त मंत्रालय का यह भी कहना है कि रेगुलेटर के तौर पर सेबी की भूमिका काफी अहम है। ऐसे में चेयरपर्सन के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को कुछ पैमानों पर खरा उतरना होगा।

ट्रंप की ट्रेड नीतियों के शिकार भारतीय शेयर बाजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों एक प्रतिशत से अधिक फिसल गए। वहीं, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 4 प्रतिशत तक की कमजोरी देखी गई।बाजार में भारी गिरावट का कारण खराब वैश्विक रुझान को माना जा रहा है।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड नीतियों में लगातार अस्पष्टता बनी हुई है। हाल ही में अमेरिका द्वारा दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद अनिश्चितता और बढ़ी है, जिसका असर आज भारत समेत दुनिया के बाजारों पर देखने को मिला। अमेरिका द्वारा यह टैरिफ कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो द्वारा अमेरिकी सैन्य डिपोर्टेशन फ्लाइट्स को रोकने के कुछ ही घंटों बाद लगाया गया था।

जेपीसी से मिली वक्फ संशोधन बिल को मंजूरी

» कांग्रेसी सांसद इमरान मसूद का आरोप- वक्फ संपत्तियों को हड़पने की साजिश

» विपक्ष द्वारा सुझाये गये संशोधन के पक्ष में 10 वोट जबकि विरोध में 16 वोट पड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संयुक्त संसदीय समिति ने वक्फ संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है। जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने मीडिया से बातचीत में कहा है कि 44 संशोधनों पर चर्चा की गई। 6 महीने तक विस्तृत चर्चा के बाद, हमने सभी सदस्यों से संशोधन मांगे। यह हमारी अंतिम बैठक थी इसलिए, बहुमत के आधार पर समिति द्वारा 14 संशोधनों को स्वीकार किया गया है।

विपक्ष ने भी संशोधन सुझाए थे। हमने उनमें से प्रत्येक संशोधन को आगे बढ़ाया और उस पर मतदान हुआ, लेकिन उनके (सुझाए गए संशोधनों) के समर्थन में 10 वोट पड़े और इसके विरोध में 16 वोट पड़े और वो मंजूर नहीं किया गया।

शीतकालीन सत्र में पेश होगी रिपोर्ट

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जेपीसी को बजट सत्र के दौरान अपनी रिपोर्ट पेश करनी है। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान समिति का कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। वक्फ संपत्तियों के नियमतीकरण के लिए बने वक्फ एक्ट 1995 की मिस-मैनेजमेंट, भ्रष्टाचार और अतिक्रमण जैसे मुद्दों के लिए आलोचना की जाती रही है। जेपीसी की 24 जनवरी को दिल्ली में हुई बैठक में विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया था दावा किया कि उन्हें ड्राफ्ट में प्रस्तावित बदलावों पर रिसर्च के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। आरोप लगाया कि बीजेपी दिल्ली चुनावों के कारण ध्यान में रखते हुए वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट को संसद में जल्दी पेश करने पर जोर दे रही है।

संसदीय परंपराओं का नहीं किया गया पालन

पिछली बैठक में हंगामे के बाद कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा था कि संसदीय परंपराओं का पालन नहीं किया जा रहा और यह विधेयक पूरी तरह से समय के खिलाफ है। यह वक्फ की संपत्तियों को हड़पने की एक साजिश प्रतीत हो रही है और इसके माध्यम से देश में नफरत फैलाने की योजना बनाई जा रही है। हमने स्पीकर साहब से सवाल किया कि इतनी जल्दबाजी क्यों है, जबकि इस विधेयक को सत्र के आखिरी दिन, यानी 4 अप्रैल तक रखा जा सकता था।

सांसद हुए थे निलंबित

उल्लेखनीय है कि जेपीसी की पिछली बैठक में दौरान हंगामे के बाद 10 विपक्षी सांसदों को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया था। निलंबित सांसदों में कल्याण बनर्जी, मोहम्मद जावेद, ए. राजा, असदुद्दीन ओवैसी, नासिर हुसैन, मोहिबुल्लाह नदवी, एम. अब्दुल्ला, अरविंद सावंत, नदीमुल हक और इमरान मसूद शामिल थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।